हमारा बुन्देलखण्ड

सम्पादक
सरोज गुप्ता
छाया चौकसे

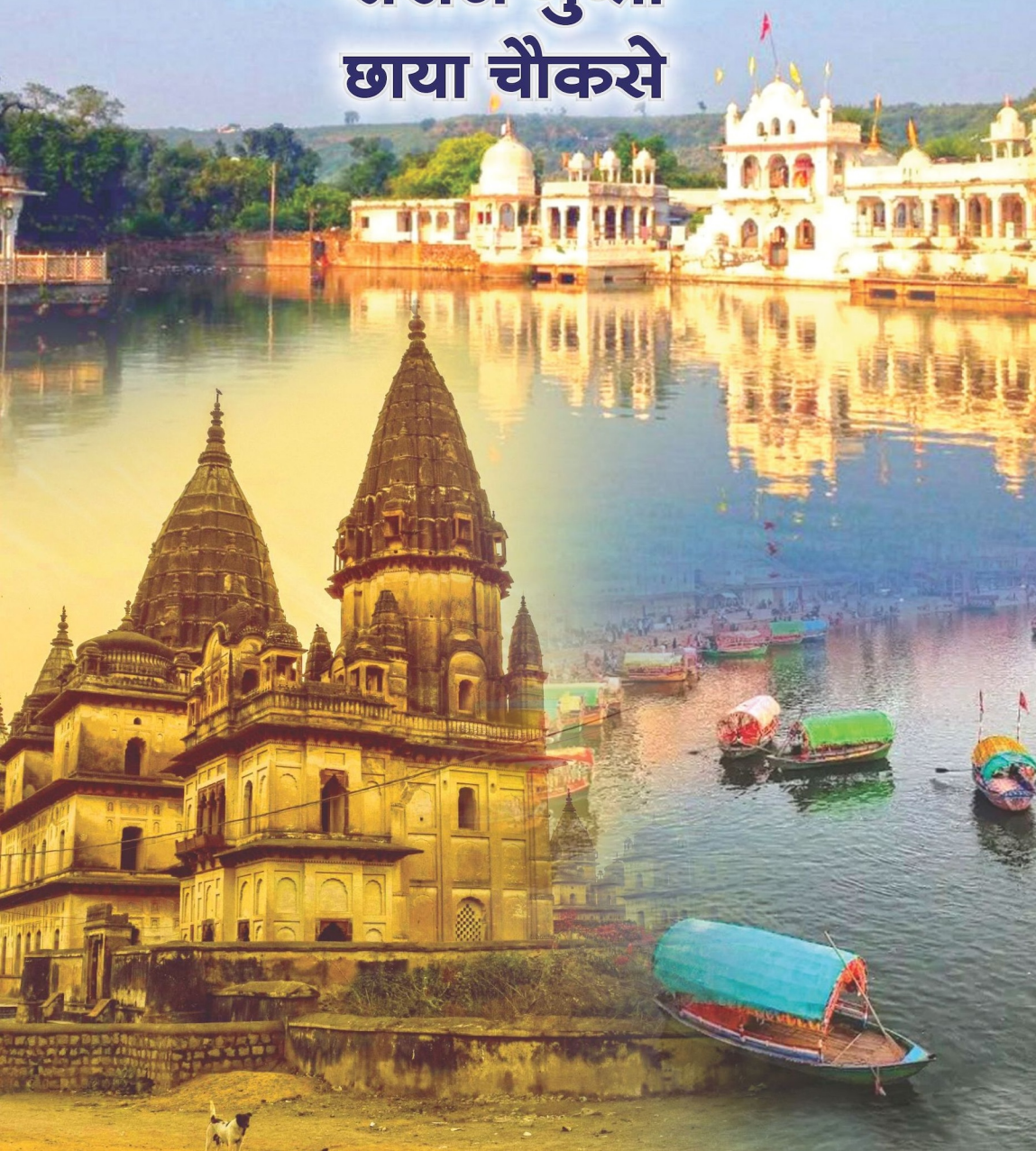

हमारा बुन्देलखण्ड

हमारा बुन्देलखण्ड

सम्पादक
डॉ. सरोज गुप्ता
डॉ. छाया चौकसे

सह-सम्पादक
डॉ. अर्चना भार्गव, डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय
डॉ. संगीता सुहाने, राशि गुप्ता

अनुज्ञा

(इस पुस्तक में प्रकाशित आलेख, लेखकों के अपने विचार हैं, इन विचारों से सम्पादक, प्रकाशक अथवा मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

© सम्पादक

प्रथम संस्करण : 2015 (ISBN 978-93-83962-22-8)
द्वितीय परिवर्धित संस्करण : 2024

ISBN 978-81-19019-80-9

प्रकाशक
अनुज्ञा बुक्स
1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032
e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com
फोन : 7291920186, 09350809192
www : anuugyabooks.com

आवरण :
राधेश्याम प्रजापति

मुद्रक
अर्पित प्रिंटोग्राफर्स, दिल्ली-32

HAMARA BUNDELKHAND
Collection of Essays ***edited by Dr. Saroj Gupta & Dr. Chhaya Choukse***

अनुक्रम

द्वितीय संस्करण की भूमिका – डॉ. सरोज गुप्ता 9
प्रथम संस्करण की भूमिका – सुरेश आचार्य 13
बुन्देलखण्ड का परिचायक ग्रंथ–हमारा बुन्देलखण्ड – गंगाप्रसाद बरसैंया 15
अपनी बात – डॉ. सरोज गुप्ता 19
सम्पादकीय – डॉ. छाया चौकसे 23

खण्ड एक – कला एवं संस्कृति

1. बुन्देलभूमि ऋषि-मुनियों की साधना स्थली –*डॉ. सरोज गुप्ता* 27
2. बुन्देलखण्ड का रंगमंच –*रबीन्द्र दुबे (कक्का)* 35
3. बुन्देलखण्ड का मार्शल आर्ट –*भगवानदास रायकवार* 40
4. बुन्देलखण्ड के लोक नाट्य एवं स्वाँग –*भगवानदास रायकवार* 57
5. बुन्देलखण्ड के स्थान-नाम –*डॉ. कामिनी* 63
6. कुण्डेश्वर धाम –*गुणसागर सत्यार्थी* 67
7. जिला टीकमगढ़ के प्रमुख दर्शनीय स्थल –*हरि विष्णु अवस्थी* 70
8. सागर जिले के दर्शनीय पर्यटन स्थल –*डॉ. नागेश दुबे* 79
9. छतरपुर जिले के दर्शनीय स्थल –*डॉ. बहादुर सिंह परमार* 86
10. पन्ना जनपद के पर्यटक स्थल –*रामप्रकाश गुप्त* 93
11. चित्रकूट –*डॉ. कमलेश थापक* 97
12. चित्रकूट जनपद का सोमनाथ मंदिर –*डॉ. राहुल मिश्र* 99
13. दतिया : पौराणिक एवं ऐतिहासिक दर्पण में –*डॉ. सबीहा ताबीर* 102
14. अरसठ तीर्थों का भानेज-सनकुँआ –*डॉ. कामिनी* 106
15. बुन्देलखण्ड का ज्योतिपुंज : ओरछा –*हरिविष्णु अवस्थी* 109
16. बुन्देलखण्ड के जैन तीर्थ –*डॉ. कैलाश मड़बैया* 115
17. कालिंजर का वास्तुशिल्प –*राधाकृष्ण बुन्देली* 125
18. उनाव बालाजी –*हरीमोहन लाल श्रीवास्तव* 130

19. पुरातात्विक स्थल : देवगढ़ दुर्ग –*डॉ. श्याम विहारी श्रीवास्तव* 132
20. बुन्देलखण्ड के प्राचीन सूर्य मन्दिर –*डॉ. अमिता सिंह* 134
21. बुन्देलखण्ड के त्यौहार, व्रत और कथा –*डॉ. शिरोमण सिंह 'पथ'* 138
22. बुन्देली संस्कृति में पर्व और त्यौहार –*डॉ. सरोज गुप्ता* 147
23. बुन्देलखण्ड का चम्पा षष्ठी मेला –*डॉ. सरोज गुप्ता* 151

खण्ड दो – भाषा और साहित्य

24. बुन्देलखण्ड की पुण्यधारा अद्वैत दर्शन की गंगोत्री, कवि भगीरथ और कवितायें गंगा सी प्रवाहमान –*प्रोफेसर सरोज गुप्ता* 155
25. विश्व की प्राचीनतम भाषा एवं संस्कृति बुन्देली –*पं. गुणसागर 'सत्यार्थी'* 169
26. बुन्देली गद्य धारा –*डॉ. रामनारायण शर्मा* 174
27. बुन्देली बोली और भाषा का इतिहास –*डॉ. लोकेन्द्र सिंह 'नागर समथरेश'* 192
28. लोक-कवि ईसुरी के काव्य का भक्ति-पक्ष –*ब्रजेश चन्द्र श्रीवास्तव* 198
29. बुन्देलखण्ड के कवि 'ईसुरी' –*डॉ. रामनारायण शर्मा* 202
30. बुन्देली की मेरी पहचान –*प्रभुदयाल मिश्र* 215
31. बुन्देलखण्ड की पत्रकारिता की गौरवशाली परम्परा –*डॉ. आशीष द्विवेदी* 222
32. विविधता के कवि 'प्रेम' –*डॉ. सन्ध्या टिकेकर* 233
33. मऊरानीपुर के ज्ञात-अज्ञात कवि –*वीरेन्द्र शर्मा 'कौशिक'* 239
34. कलश-काव्य : 'श्रुतिलेख' –*राजकुमार अहिरवार* 251
35. बुन्देली रासो काव्यों में सर्वहारा वर्ग –*डॉ. श्याम बिहारी श्रीवास्तव* 263
36. बुन्देली के कुछ मार्मिक शब्द और उनका प्रयोग –*डॉ. डी.आर. वर्मा 'बेचैन'* 268
37. बुन्देलखण्ड की लोक-संस्कृति और ऋतु-गीत –*डॉ. सबीहा ताबीर* 273
38. बुन्देलखण्ड की विवाह लोक-परम्परा के बन्ना गीत –*डॉ. छाया चौकसे* 282
39. बुन्देलखण्ड के बुन्देली ग्रामीण गीत –*भगवानदास रायकवार* 295
40. बुन्देली स्वास्थ्यपरक गीतों की जीवन में उपयोगिता –*डॉ. सरोज गुप्ता* 312
41. नर्मदा सम्भाग का बुन्देली लोक-साहित्य –*डॉ. सरिता जैन* 319
42. ज्योतिष और बुन्देली लोक जीवन –*डॉ. सरोज गुप्ता* 327
43. बुन्देलखण्डी पहेलियाँ : एक परिचय –*राशि गुप्ता* 333
44. बुन्देली लोकगीत –*डॉ. संगीता सुहाने* 338

45.	बुन्देली लोकगाथाएँ	*–डॉ. संगीता सुहाने*	348
46.	बुन्देली कहावतें व मुहावरे	*–डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय*	355
47.	बुन्देली लोकोक्ति एवं कहावतों का समाज मनोवैज्ञानिक अध्ययन	*–डॉ. संगीता सुहाने*	360
48.	बुन्देली कहावतों में न्याय एवं राजनीति की अवधारणा	*–डॉ. रजनी दुबे*	372
49.	बुन्देली में नौ रस	*–डॉ. मालती दुबे*	375
50.	मैंने कलम के साथ कभी समझौता नहीं किया	*–डॉ. सन्ध्या टिकेकर*	378

खण्ड तीन – प्राकृतिक धरोहर

51.	कालिदास का बुन्देलखण्ड	*–डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी*	389
52.	बुन्देलखण्ड के नर्मदा-तटवर्ती तथा शैलशिखरीय तीर्थ	*–पद्मश्री भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'*	392
53.	बुन्देलखण्ड की भौगोलिक संरचना	*–डॉ. अर्चना भार्गव*	397
54.	बुन्देलखण्ड का प्राकृतिक वैभव (डॉ. पूरनचन्द श्रीवास्तव का शोधपूर्ण लेख)	*–डॉ. पूरनचन्द श्रीवास्तव*	400
55.	औषधीय महत्त्व की महत्त्वपूर्ण वनस्पतियाँ	*–डॉ. प्रतिमा खरे*	420
56.	बुन्देलखण्ड की वनभूमि और वनस्पतियाँ	*–उषा साहू*	426
57.	बुन्देलखण्ड : पशु-पक्षी धरोहर	*–डॉ. रेखा राय*	432
58.	बुन्देलखण्ड की वनभूमि	*–उषा साहू एवं निहारिका साहू*	441

खण्ड चार – इतिहास के झरोखे से

59.	बुन्देला	*–पद्मश्री भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी 'वागीश शास्त्री'*	453
60.	तात्या टोपे बुन्देलखण्ड में	*–डॉ. परशुराम विरही*	463
61.	बुन्देलखण्ड की ऐतिहासिक वीर गाथाएँ	*–डॉ. श्यामबिहारी श्रीवास्तव*	469
62.	संस्कृत, शौर्य और साहित्य के सुमेरु : महाराज छत्रसाल	*–वीरेन्द्र शर्मा 'कौशिक'*	478
63.	बुन्देलखण्ड में महात्मा गाँधी की सर्वोदयी यात्राएँ	*–डॉ. सुनीता त्रिपाठी*	484
64.	1857 की क्रांति में बखतबली और मर्दनसिंह का योगदान	*–पं. हरगोविन्द तिवारी 'कविहृदय'*	488

लेखक-परिचय 503

द्वितीय संस्करण की भूमिका

'हमारा बुन्देलखण्ड' का द्वितीय संस्करण आपके हाथ में सौंपते हुए अत्यन्त हर्ष व प्रसन्नता अनुभव कर रही हूँ। सन् 2015 से लेकर आज तक 'हमारा बुन्देलखण्ड' पुस्तक ने बुन्देलखण्ड की संस्कृति को वैश्विक स्तर पर युवा पीढ़ी को आकर्षित किया है। बुन्देलखण्ड भारत देश का हृदयस्थल है। साहित्य संस्कृति की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है। क्षेत्रफल की दृष्टि से विशाल व व्यापक है। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के कई जिले बुन्देलखण्ड के अन्तर्गत आते हैं जहाँ बुन्देली बोली जाती है। बुन्देलखण्ड का प्राचीन गौरव व इतिहास, पुरातत्व, स्थापत्य कला, धर्म, अध्यात्म, शिल्पकला सांस्कृतिक चेतना की दृष्टि से अनुपम है। हमारा बुन्देलखण्ड पुस्तक के पूर्व बुन्देलखण्ड समग्र विश्वकोश योजना तैयार की गयी है ताकि हम सभी व हमारी आने वाली पीढ़ी बुन्देलभूमि के इतिहास, साहित्य, अनुपम शिल्पकलाओं को अद्यतन खोजकर यहाँ की भूमि, कृषि, जलवायु, नदी, पर्वत, वन, पर्यटन, धर्म, अध्यात्म, दर्शन, आदि की समग्र जानकारी एक स्थान पर देख सकें। बुन्देलखण्ड की संस्कृति, साहित्य की जो थाती, विरासत हमारे जनपदों में सुरक्षित है। हमारे पुरातन आचार, विचार, पर्व, उत्सव, त्योहार, संस्था, भाषा और बहुमुखी जीवन का अटूट प्रवाह जो बुन्देलखण्ड के ग्रामों में विद्यमान है उसका संरक्षण किया जा सके। बुन्देलखण्ड विश्वकोश निर्माण का कार्य अत्यन्त व्यापक है, पंचवर्षीय योजना है। 'हमारा बुन्देलखण्ड' पुस्तक से इसकी शानदार शुरुआत हुई है। आज जब 'हमारा बुन्देलखण्ड' का द्वितीय संस्करण आपके हाथ में सौंप रही हूँ तब बुन्देलखण्ड का विश्वकोश भी तैयार है, वृहद कार्य होने के कारण प्रक्रिया सतत् जारी है। बुन्देलखण्ड विश्वकोश की सोसायटी व वेबसाइट तैयार है।

आज बुन्देलखण्ड की भूमि आवाहन कर रही है कि हम उसके कोने-कोने से परिचित हों, हम उसकी नदियों का अध्ययन करें, वृक्षों को मित्र बनायें, शैल-शिखरों पर गोष्ठियाँ करें, इतिहास, पुरातत्व के महत्त्वपूर्ण स्थलों का अन्वेषण करें, प्राकृतिक सौन्दर्य से ओतप्रोत पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दें। लुप्त साहित्य को प्रकाश में लायें– कवि देवीदास जी ने कहा था कि– "कीरत के विरवा कवि हैं, इनखों कबहूँ कुम्हलान न दीजौ।" शिलालेख, भूगोल, लोक साहित्य, पत्रकारिता, जनविज्ञान, संस्कृति, साहित्य, खनिज, कृषि, उद्योग-धंधे, पशु-पक्षी, वृक्ष एवं वनस्पति, खेलकूद, योग एवं प्राणायाम, धर्म, दर्शन, अध्यात्म, पर्यावरण, रंगमंच, मार्शल आर्ट, ऐतिहासिक पत्र-संग्रह, पारम्परिक देशी एवं आयुर्वेद चिकित्सा, स्वतंत्रता संग्राम योगदान के वीरों को याद करें, नारी शक्ति, पाण्डुलिपि संरक्षण, प्रकाशन आदि विषयों पर अन्वेषण करें। बुन्देलखण्ड की विरासत/धरोहर को संरक्षित करने का कार्य करें।